

उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद् , लखनऊ
वास्तुशास्त्र डिप्लोमा पाठ्यक्रम, सत्र 2024-25

प्रथम सेमेस्टर (प्रथम सत्रार्ध)

प्रश्नपत्र कोड	विषय एवं पाठ्यवस्तु विवरण	क्रेडिट
प्रथम प्रश्न पत्र (100 अंक)	<p><u>Unit - 1</u></p> <ol style="list-style-type: none">1. वास्तुशास्त्र का परिचय एवं महत्त्व2. वास्तुशास्त्र का उद्भव एवं विकास3. वास्तुशास्त्र का ज्योतिष से सम्बन्ध4. वास्तुशास्त्र के प्रवर्तक आचार्य एवं ग्रन्थ <p><u>Unit - 2</u></p> <ol style="list-style-type: none">1. संहिता ज्योतिष2. वास्तु के आधारभूत सिद्धान्त (पञ्चभूत)3. वास्तुशास्त्र का वर्तमान स्वरूप4. वास्तु के अंग एवं भेद <p><u>Unit - 3</u></p> <ol style="list-style-type: none">1. भूमि एवं स्थान का विचार2. नामराशि से ग्रामवास का शुभाशुभत्व3. वर्ग विचार एवं वर्ण विचार4. काकिणी तथा राशि द्वारा दिशा ज्ञान <p><u>Unit - 4</u></p> <ol style="list-style-type: none">1. भू-प्लवत्व विचार2. गजपृष्ठादि भूमि लक्षण3. वीथि विचार4. वर्ण एवं रस के आधार पर भू-चयन	4
सहायक पाठ्य पुस्तक	<ol style="list-style-type: none">1. भवन भास्कर2. विश्वकर्मवास्तुशास्त्र3. वास्तुरत्नाकर4. भारतीय वास्तुशास्त्र-परिचय पाठ्यक्रम, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान विश्वविद्यालय, दिल्ली5. व्यावसायिक वास्तुशास्त्र, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली	

प्रश्नपत्र कोड	विषय एवं पाठ्यवस्तु विवरण	क्रेडिट
द्वितीय प्रश्न पत्र (100 अंक)	<p><u>Unit - 1</u></p> <ol style="list-style-type: none"> 1. प्रशस्त एवं निषिद्ध भूमि लक्षण 2. दिग्ज्ञान 3. भू-शोधन (बाह्य शोधन) 4. भूमि परीक्षण <p><u>Unit - 2</u></p> <ol style="list-style-type: none"> 1. भू-शयनादि दोष 2. शल्य ज्ञान विधि 3. शल्योद्धार विधि 4. राहुमुख एवं खात विचार <p><u>Unit - 3</u></p> <ol style="list-style-type: none"> 1. वृष वास्तु चक्र 2. गृहारम्भ में मासादि विचार एवं फल 3. गृहारम्भ में तिथि, वार, नक्षत्र विचार 4. भूमि के आकार <p><u>Unit - 4</u></p> <ol style="list-style-type: none"> 1. हस्त प्रमाण विचार 2. भूमि वृद्धि विचार 3. शिलान्यास विधि 4. वेध विचार 	कुल 4
सहायक पाठ्य पुस्तक	<ol style="list-style-type: none"> 1. भवन भास्कर 2. विश्वकर्मवास्तुशास्त्र 3. वास्तुरत्नाकर 4. भारतीय वास्तुशास्त्र-परिचय पाठ्यक्रम, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान विश्वविद्यालय, दिल्ली 5. व्यावसायिक वास्तुशास्त्र, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली 	

प्रश्नपत्र कोड	विषय एवं पाठ्यवस्तु विवरण	क्रेडिट
तृतीय प्रश्न पत्र (100 अंक)	<p><u>Unit - 1</u></p> <ol style="list-style-type: none"> 1. जलाशयाराम सुर प्रतिष्ठा विचार 2. दिशानुक्रम से गृहसमीप के शुभाशुभ वृक्ष 3. गृहनिर्माण में वर्ज्य वृक्ष एवं वृक्षच्छेदन विधि 4. गृहोपयुक्त काष्ठ एवं द्रव्यादि विचार <p><u>Unit - 2</u></p> <ol style="list-style-type: none"> 1. गृह के प्रकार 2. गृहों के नाम एवं नामकरण 3. वास्तु पद भेद एवं उपयोग 4. एकाशीति पद विन्यास एवं देवस्थान <p><u>Unit - 3</u></p> <ol style="list-style-type: none"> 1. मर्म स्थान निर्धारण एवं परिमाण 2. पिण्ड द्वारा धन, आय, व्ययादि का ज्ञान 3. पिण्डार्थ इष्ट नक्षत्र विचार 4. वास्तु में ब्रह्म स्थान द्वारा रोग विचार <p><u>Unit - 4</u></p> <ol style="list-style-type: none"> 1. गृहारम्भ विचार 2. द्वार निर्णय 3. गृहारम्भ में लग्न शुद्धि 4. द्वार, देहली, कपाट स्थापन मुहूर्त 	कुल 4
सहायक पाठ्य पुस्तक	<ol style="list-style-type: none"> 1. भवन भास्कर 2. विश्वकर्मवास्तुशास्त्र 3. वास्तुरत्नाकर 4. भारतीय वास्तुशास्त्र-परिचय पाठ्यक्रम, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान विश्वविद्यालय, दिल्ली 5. व्यावसायिक वास्तुशास्त्र, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली 	

प्रश्नपत्र कोड	विषय एवं पाठ्यवस्तु विवरण	क्रेडिट
चतुर्थ प्रश्न पत्र (100 अंक)	<p><u>Unit - 1</u></p> <ol style="list-style-type: none"> 1. वास्तुशास्त्र में पञ्चमहाभूत 2. आकाश, वायु 3. जल, अग्नि 4. पृथ्वी <p><u>Unit - 2</u></p> <ol style="list-style-type: none"> 1. व्यवसायिक वास्तु का भूमि परीक्षण 2. दुकान, शोरूम, कार्यालय 3. होटल, सिसॉर्ट, क्लब 4. अस्पताल, नर्सिंगहोम <p><u>Unit - 3</u></p> <ol style="list-style-type: none"> 1. औद्योगिक वास्तु 2. कुटीर उद्योग 3. मील, कारखाने 4. लघु उद्योग <p><u>Unit - 4</u></p> <ol style="list-style-type: none"> 1. धार्मिक वास्तु 2. मन्दिर, गुरुद्वारा 3. आश्रम, मठ, बौद्ध बिहार, सरोवर 4. धर्मशाला, अतिथिगृह, सामुदायिक केन्द्र 5. कूप, वापी, तडाग 	कुल 4
सहायक पाठ्य पुस्तक	<ol style="list-style-type: none"> 1. भवन भास्कर 2. विश्वकर्मवास्तुशास्त्र 3. वास्तुरत्नाकर 4. भारतीय वास्तुशास्त्र-परिचय पाठ्यक्रम, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान विश्वविद्यालय, दिल्ली 5. व्यावसायिक वास्तुशास्त्र, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली 	

प्रश्नपत्र कोड	विषय एवं पाठ्यवस्तु विवरण	क्रेडिट
पञ्चम प्रश्न पत्र (100 अंक)	<ol style="list-style-type: none"> 1. विद्यालय स्तर पर मूल्याङ्कन 2. वास्तु का प्रायोगिक एवं मौखिक ज्ञान 3. मौखिकी परीक्षा 	कुल 4
सहायक ग्रन्थ सूची	<ol style="list-style-type: none"> 1. भवन भास्कर 2. विश्वकर्मवास्तुशास्त्र 3. वास्तुरत्नाकर 4. भारतीय वास्तुशास्त्र-परिचय पाठ्यक्रम, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान विश्वविद्यालय, दिल्ली 5. व्यावसायिक वास्तुशास्त्र, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली 	

उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद् , लखनऊ
वास्तुशास्त्र डिप्लोमा पाठ्यक्रम, सत्र 2024-25

द्वितीय सेमेस्टर (द्वितीय सत्रार्ध)

प्रश्नपत्र कोड	विषय एवं पाठ्यवस्तु विवरण	क्रेडिट
प्रथम प्रश्न पत्र (100 अंक)	<p><u>Unit - 1</u></p> <ol style="list-style-type: none"> उच्च श्रेणी के भूखण्ड मध्यम श्रेणी के भूखण्ड सामान्य श्रेणी के भूखण्ड निम्न श्रेणी के भूखण्ड <p><u>Unit - 2</u></p> <ol style="list-style-type: none"> पिण्ड साधन विधि विशेष कक्षा – शंका एवं समाधान पिण्ड द्वारा आयादि साधन पिण्डसाधनार्थ नक्षत्र विचार एवं गृहायु साधन <p><u>Unit - 3</u></p> <ol style="list-style-type: none"> वास्तु में ब्रह्मस्थान द्वारा रोग विचार वास्तु में रसोई, जल का स्थान वास्तु चक्र की प्रधानता मण्डलेश का साधन एवं फल <p><u>Unit - 4</u></p> <ol style="list-style-type: none"> अजिरानयन विचार वास्तु दोष विचार वास्तु दोष एवं गृहारम्भादि में उनका फल वास्तु शान्ति के विविध उपाय 	4
सहायक पाठ्य पुस्तक	<ol style="list-style-type: none"> भवन भास्कर विश्वकर्मवास्तुशास्त्र वास्तुरत्नाकर भारतीय वास्तुशास्त्र, रा.सं.सं.वि.वि., दिल्ली 	

प्रश्नपत्र कोड	विषय एवं पाठ्यवस्तु विवरण	क्रेडिट
द्वितीय प्रश्न पत्र (100 अंक)	<p><u>Unit - 1</u></p> <ol style="list-style-type: none"> 1. गृहारम्भ में कूर्म चक्र विचार 2. भूमि शुद्ध करने की विधि 3. वास्तुशास्त्र में मर्म स्थान निर्धारण 4. गृह में द्वार वेध <p><u>Unit - 2</u></p> <ol style="list-style-type: none"> 1. राजा के गृह का प्रमाण 2. सेनापति के गृह का प्रमाण 3. मन्त्री, अधिकारी तथा राजपुरुष के गृह का प्रमाण 4. ब्राह्मणादि चारों वर्णों के गृह का विस्तार और दैर्घ्य <p><u>Unit - 3</u></p> <ol style="list-style-type: none"> 1. अलिन्द का ज्ञान 2. सभी महलों के ऊँचाई का प्रमाण 3. ब्राह्मणादि चार वर्णों का द्वार प्रमाण 4. सर्वतोभद्र, नन्द्यावर्त्त वास्तु के लक्षण <p><u>Unit - 4</u></p> <ol style="list-style-type: none"> 1. वर्द्धमान, स्वस्तिक के लक्षण 2. वास्तु में बाह्य कोष्ठक स्थित 32 देवताओं के नाम 3. वास्तुपुरुष के अंग में देवता का स्थान 4. चौंसठ पद के क्षेत्र में उसके देवताओं का न्यासक्रम 	कुल 4
सहायक पाठ्य पुस्तक	<ol style="list-style-type: none"> 1. बृहत्संहिता – वराहमिहिर कृत 2. बृहद्वास्तुमाला 3. वास्तु रत्नाकर 4. भवन भास्कर 	

प्रश्नपत्र कोड	विषय एवं पाठ्यवस्तु विवरण	क्रेडिट
तृतीय प्रश्न पत्र (100 अंक)	<p><u>Unit - 1</u></p> <ol style="list-style-type: none"> 1. शल्यों के विभाग से फल 2. वंश सूत्र एवं मर्मस्थान का लक्षण 3. द्वार वेध का फल 4. द्वार वेध का विशेष फल <p><u>Unit - 2</u></p> <ol style="list-style-type: none"> 1. दकार्गल – जल परिज्ञान 2. पूर्वादि स्थित दिशाओं में शिराओं का नाम एवं जल का ज्ञान 3. जामून, गूलर, अर्जुन, सिंदुवार वृक्ष से जल का ज्ञान 4. बेर, बेल, करञ्ज, महुआ वृक्ष से जल ज्ञान <p><u>Unit - 3</u></p> <ol style="list-style-type: none"> 1. धतुरा, करीर, पीलू, दूर्वा से जल का ज्ञान 2. वृक्षों द्वारा जल का ज्ञान 3. भूमि के वर्ण से जल का ज्ञान 4. शिला विदारण प्रकार <p><u>Unit – 4</u></p> <ol style="list-style-type: none"> 1. देव मन्दिर निर्माण में स्थान का परिज्ञान 2. देवालय का विधान 3. देवालय में वास्तुपुरुष एवं द्वारा का विधान 4. प्रासादों के नाम 	कुल 4
सहायक पाठ्य पुस्तक	<ol style="list-style-type: none"> 1. बृहत्संहिता – वराहमिहिर कृत 2. बृहद्वास्तुमाला 3. वास्तु रत्नाकर 4. भवन भास्कर 	

प्रश्नपत्र कोड	विषय एवं पाठ्यवस्तु विवरण	क्रेडिट
चतुर्थ प्रश्न पत्र (100 अंक)	<p><u>Unit - 1</u></p> <ol style="list-style-type: none"> 1. षोडश प्रासादों के नाम एवं लक्षण 2. प्रतिमा के प्रमाण एवं लक्षण 3. भगवान विष्णु के प्रतिमा का प्रमाण एवं लक्षण 4. ब्रह्मा, इन्द्र, शिव, बुद्ध, जिन एवं सूर्य के प्रतिमा का प्रमाण एवं लक्षण <p><u>Unit - 2</u></p> <ol style="list-style-type: none"> 1. प्रशस्त शिव के लिंग का निर्माण एवं स्थापन प्रकार 2. पञ्चाङ्ग द्वारा गृहारम्भ एवं गृहप्रवेश मुहूर्त का ज्ञान 3. बहुमञ्जिली भवन निर्माण का ज्ञान 4. चरणी विचार <p><u>Unit - 3</u></p> <ol style="list-style-type: none"> 1. गोशाला, अश्वशाला, गजशाला का ज्ञान 2. वास्तु शान्ति में पूजन विधान 3. पञ्चाङ्ग पूजन सहित वास्तु शान्ति विधान 4. वास्तु बलि विधान <p><u>Unit - 4</u></p> <ol style="list-style-type: none"> 1. पूर्व पठित विषयों पर चर्चा, शंका एवं समाधान 2. आवासीय वास्तु में कक्ष का विन्यास 3. वर्तमान सन्दर्भ में कक्षों का विन्यास 4. वास्तु सम्मत रसोई घर 	कुल 4
सहायक पाठ्य पुस्तक	<ol style="list-style-type: none"> 1. भारतीय वास्तुशास्त्र (रा.सं.वि.वि. दिल्ली) 2. बृहत्संहिता – वराहमिहिर कृत 3. भवन भास्कर 4. बृहद्वास्तुमाला 	

प्रश्नपत्र कोड	विषय एवं पाठ्यवस्तु विवरण	क्रेडिट
पञ्चम प्रश्न पत्र (100 अंक)	1. विद्यालय स्तर पर मूल्याङ्कन 2. वास्तु का प्रायोगिक एवं मौखिक ज्ञान 3. मौखिकी परीक्षा	कुल 4
सहायक ग्रन्थ सूची	1. भारतीय वास्तुशास्त्र (रा.सं.वि.वि. दिल्ली) 2. बृहत्संहिता – वराहमिहिर कृत 3. भवन भास्कर 4. बृहद्वास्तुमाला 5. विश्वकर्मवास्तुशास्त्र	

पाठ्यक्रम निर्माण समिति –

1. प्रो. सुभाष पाण्डेय, ज्योतिष विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी-221005
2. डॉ. अनिरुद्ध नारायण शुक्ल, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गोमती नगर, लखनऊ, उ.प्र.
3. डॉ. दिगविजय शुक्ल, गोरक्षनाथ संस्कृत महाविद्यालय, गोरखपुर, उ.प्र.
4. डॉ. भवराम पाण्डेय, ज्योतिष विभाग, श्री वंशीधर सं.म.विद्यालय, सरायनन्दन, वाराणसी-221010
5. डॉ. अनिल कुमार पोरवाल, ज्योतिर्विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।